View metadata, citation and similar papers at core.ac.uk
brought to you by CORE
provided by CMFRI Digital Repository

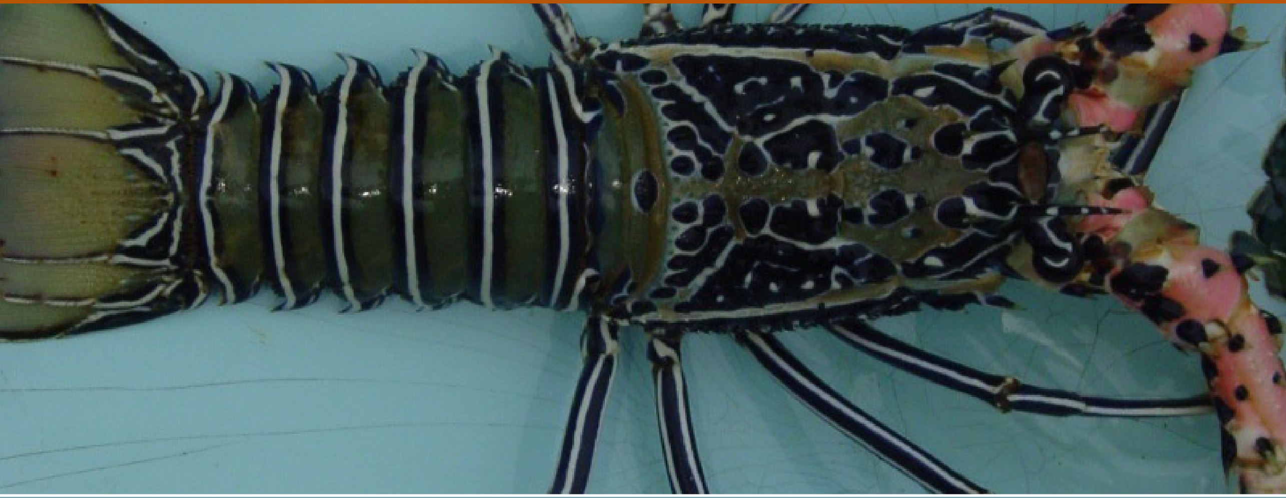

उत्तरी तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में उपलब्ध महाचिंगट संपदा और उनकी जल कृषि की संभावनाएँ

जो के. किज़ाकूडन[1], एस. लक्ष्मी पिल्लै[2], शोभा जो किज़ाकूडन[1], विद्या जयशंकर[1], ए. मार्गारिट मुत्तुरतिनम[1], इंदिरा दिविपाला[1], सी. मणिबाल[1], वी. जोसेफ सेवियर[1], पी. तिरुमिलू[1], एस. कृष्णमूर्ति[1] और आर. सुंदर[1]

[1] केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान का मद्रास अनुसंधान केंद्र, चेन्नई, तमिलनाडु

[2] केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोची, केरल

लेखक से संपर्कः jkizhakudan@gmail.com

उत्तरी तमिलनाडु में पुलिकाट से महाबलीपुरम तक की तटीय जलक्षेत्र अपने चट्टानी स्थल खंड़ों के लिये मशहूर है, जो 3-15 फैदम की गहराई में पाया जाता है। ये खंडे 8-15 फैदम की गहराई में रेतीले और मिट्टी के समुद्री तल के साथ मिश्रित हैं। ऐसे तल महाचिंगटों के लिए अच्छे निवास स्थल बन जाते हैं। चट्टानी तल काँटेदार झींगों के और रेतीले और मिट्टी के तल रेतीले झींगों के निपटान के लिए उत्तम है। लगभग 50-100 फैदम की गहराई में, समुद्र तल बहुत छोटे कणवाले रेत से बनाया हुआ है जिसमें अनेक प्रकार के गहरी समुद्र महाचिंगट निवसित है।

उत्तरी तमिलनाडु की तटीय जलक्षेत्र में महाचिंगट की 17 प्रजातियाँ व्यावसायिक मात्स्यिकी में प्राप्त है, जिनमें काँटेदार झींगों के 6 प्रजाति, रेतीले झींगों की 3 प्रजाति, गहरी समुद्र महाचिंगट के 7 प्रजाति और अन्य झींगों की 1 प्रजाति शामिल है -

काँटेदार महाचिंगट	सिल्लारिड़ महाचिंगट	गहरा सागर महाचिंगट	अन्य महाचिंगट
पेन्यूलीरस होमारस होमारस	*थीनस यूनिमेक्यूलेटस*	*लिन्यूपेरस सोम्नियोसिस*	*कल्लियानासाक्रौसी*
पेन्यूलीरस ओर्नेटस	*सिल्लेरिड़स ट्रैडेक्नोफागा*	*पेलिन्यूस्टस वेगुवेंसिस*	
पेन्यूलीरस पोलीफागस	*पेट्रार्क्टस रूगोसस*	*प्यूरुलस केरिनेटस*	
पेन्यूलीरस वेर्सीकोलर		*प्यूरुलस सिवेल्लि*	

काँटेदार महाचिंगट	सिल्लारिड़ महाचिंगट	गहरा सागर महाचिंगट	अन्य महाचिंगट
पेन्यूलीरस लोंजिपस		*नेफ्रोप्सिस कार्पेन्टेरी*	
पेन्यूलीरस पेनिसिल्लेटस		*नेफ्रोप्सिस स्ट्युवर्टी*	
		म्यूनिड़ोप्सिस स्कोबीना	

इनमें से सबसे मूल्यवान प्रजातियाँ *पेन्यूलीरस ओर्नेटस, पी. होमारस, पी. पोलीफागस, पी. वेर्सिकोलर* और *थीनस यूनिमेक्यूलेटस* है। यहाँ प्रजातियाँ तटीय क्षेत्रों से ट्रॉल जाल और अधस्तल सेट गिल जाल से पकड़े जाते है। गहरी समुद्र झींगों में से *नेफ्रोप्सिस कार्पेंटेरी* और *एन. स्ट्युवर्टी* दक्षिणी आँध्र प्रदेश की निकट उत्तरी तमिलनाडु की तट से और *पेलिन्यूस्टस वेगुवेंसिस* कडलूर-पुदुचेरी तट से मिलते हैं। चेन्नई से प्रचालन करने वाले गहरी समुद्री ट्रॉलर अंडमान व निकोबार द्वीपों के जल से *लिन्यूपेरस सोम्नियोसिस, म्यूनिडोप्सिस स्कोबीना, प्युरुलस केरिनेटस* एवं *पी. सिवेल्ली* पकड के लाते हैं। रेतीले महाचिंगट *सिल्लेरिड़स ट्रैडेक्नोफागा* कडलूर-पुदुचेरी की तटीय जल से प्राप्त होता है। इन झींगों में से *पेट्रार्क्टस रूगोसस* और *कल्लियानासा क्रौसी* अलंकारी मूल्य के हैं।

महाचिंगट प्रजातियों का विवरण

स्कैलप्ड काँटेदार महाचिंगट *पेन्यूलीरस होमारस होमारस*
(लिन्नाआईस, 1758)

सब-ऑर्डर	: मेक्रूरा रेपटांशिया
इंफ्रा-ऑर्डर	: पेलिन्यूरिडे
अध्यनुपरिवार	: पेलिन्यूरोईडिया
परिवार	: पेलिन्यूरिडे

भौगोलिक वितरण: भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र; पूर्वी अफ्रीका से जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यू कालिडोनिया और शायद मार्क्वेसास द्वीप समूह

निवास-स्थल और जीव-विज्ञान : 1-90 मी. के गहराई तक उथला और आविल पानी में (ज़्यादातर 1-5 मी. गहराई में) चट्टानों के बीच पाया जाता है। यूथी और रात्रिचर प्राणी.

उत्तरी तमिलनाडू में घटन : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, पुलिकाट- महाबलिपुरम

बंदी पालन: उच्च सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 24 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, अच्छी बढती दर, ख़ास तौर से किशोरावस्था में एकत्रीकरण में, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु, सीपी, मछली मांस और कृत्रिम आहार अच्छी तरह से खाते हैं, समुद्र पिंजरों में अच्छी तरह से बढ़ते है, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं।

ओर्नेट काँटेदार महाचिंगट *पेन्यूलीरस ओर्नेटस*
(फेब्रीशियस, 1798)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र; लाल सागर और पूर्वी अफ्रीका से दक्षिण जापान तक, सोलोमन द्वीप, पपुवा न्यू गिनी, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर - पूर्व और पूर्व ऑस्ट्रेलिया न्यू कालिडोनिया और फीजी.

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः उथला और थोडी आविल पानी में 1-8 मी. के गहराई तक में रेती में या चट्टानों के बीच और कभी-कभी नदी-मुख एवं प्रवाल भित्ति में पाया जाता हैं। एकान्त या जोड़ों में रहते हैं, लेकिन बड़ा सांद्रता में भी पाया गया है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, पुलिकाट-महाबलिपुरम

बंदी पालनः उच्च सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 20 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, अच्छी बढाई दर, ख़ास तौर से किशोरावस्था में एकत्रीकरण में, 12 महीनों में 1 कि. ग्रा. तक बढती है, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु, सीपी, जठरपाद, मछली मांस और कृत्रिम आहार अच्छी तरह से खाते हैं, समुद्र पिंजरों में अच्छी तरह से बढ़ते है।

मिट्ठी काँटेदार महाचिंगट *पेन्यूलीरस पोलीफागस* (हब्स्ट, 1793)

भौगोलिक वितरणः पाकिस्थान और भारत से वियेट्नाम, फिलिप्पींस, इंड़ोनेशिया, उत्तरी-पश्चिम ऑस्ट्रेल्लिया और पापुवा के खाड़ी।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः मिट्टी और चट्टानी तलें पसंद करता है और 3-90 मी. (सामान्यतः 40 मी. तक) की गहराई में पाया जाता अक्सर नदी मुखों में आविल पानी में भी पाया जाता है। रात्रिचर, नितलस्थ द्विकपाटी और जठरपाद खाते हैं।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, पुलिकाट- महाबलिपुरम

बंदी पालनः मध्यम सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए मध्यम प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 16 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, अच्छी बढाई दर, ख़ास तौर से किशोरावस्था में एकत्रीकरण में, 12 महीनों में 1 कि. ग्रा. तक बढती है, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु, सीपी, मछली मांस और कृत्रिम आहार अच्छी तरह से खाते हैं, समुद्र पिंजरों में अच्छी तरह से बढ़ते है।

रंगीन काँटेदार महाचिंगट *पेन्यूलीरस वेर्सीकोलर* (लाट्रेल, 1804)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र; लाल सागर, दक्षिण अफ्रीका से दक्षिण जापान, मैक्रोनेशिया, मेलानेशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पोलिनेशिया।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः उप-वेलांचली क्षेत्र से नीचे 15 मी की गहराई तक साफ पानी में और प्रवाल भित्ती में पाया जाता हैं। यूथचारी नहीं, रात्रिचर। दिन में चट्टानों के बीच विदरिकों में छिपा रहता है।

बंदी पालनः बंदी पालन मुश्किल है, एकत्रीकरण में नहीं रहते, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण

सीमाएं। शंबु, सीपी और मछली मांस अच्छी तरह से खाते हैं।

लंबे टाँग-वाला काँटेदार महाचिंगट *पेन्यूलीरस लोंजिपस* (ए. मिल्ने एड्वर्ड्स, 1868)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र; दक्षिण अफ्रीका से जापान और पोलिनेशिया।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः साफ या थोडी आविल पानी में 1-18 मी. की गहराई तक चट्ट ानी तल और प्रवाल झाड़ी में पाया जाता हैं। यूथचारी नहीं, रात्रिचर।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, पुलिकाट- महाबलिपुरम

बंदी पालनः बंदी पालन मुश्किल है, एकत्रीकरण में नहीं रहते, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु, सीपी और मछली मांस अच्छी तरह से खाते हैं, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं।

प्रोंगहोर्न काँटेदार महाचिंगट पेन्यूलीरस पेनिसिल्लेटस (ओलिवियर)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र और पूर्वी प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, लाल सागर, पूर्वी और पूर्व-दक्षिण अफ्रीका से जापान तक, हवाई, समोवा, टुवामोटो द्वीप समूह और मेक्सिको।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः साफ पानी में 1-4 मी. की गहराई तक चट्टनी तल में पाया जाता हैं। यूथचारी नहीं, रात्रिचर, दिन म चट्टानें और प्रवाल झाड़ियों में छिपा रहता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, पुलिकाट- महाबलिपुरम

बंदी पालनः बंदी पालन मुश्किल है, एकत्रीकरण में नहीं रहते, अकाल में स्वजातिभक्षिक, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु, सीपी और मछली मांस अच्छी तरह से खाते हैं, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं।

अफ्रीकी स्पीयर महाचिंगट *लिन्यूपेरस सोम्नियोसिस* (बेरी और जोर्ज, 1972)

भौगोलिक वितरणः पूर्वी अफ्रीका, केनिया से नट ाल तक और दक्षिण अफ्रीका

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः चट्टनी और रेतीले तलों में 216-375 मी. की गहराई में पाया जाता है

उत्तरी तमिलनाडू में वितरणः यहाँ उप्लब्ध नहीं हैं परंतु ट्रॉल जाल से अंदमान और निकोबार द्वीप के समुद्र में 250-400 मी. की गह्राई में से पकडकर इन्हें चेन्नई में उतरण करते हैं।

बंदी पालनः बंदी पालन मुश्किल है, तापमान में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, अंधेरे वातावरण और दरार पसंद करते हैं।

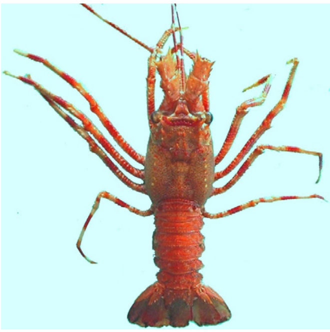

जापानी ब्लंट होर्न महाचिंगट *पेलिन्यूरस्टस वेगुवेंसिस* (कूबो, 1963)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः जापान में उथला पानी में और भारत और फिल्लिप्पींस में 72-84 मी. की गहराई में।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरणः 50-100 मी. की गहराई में, कड्ल्लूर- पुदुचेरी

बंदी पालनः कम बहुप्रज, मृदु-कवच महाचिंगट, संकोची, नाज़ुक पालन की आवश्यकता और बंदी पालन मुश्किल है. सीपी, मछली मांस और कीडे खाते हैं, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, खुरदरा स्तर और शंक दरारों के होने पर समुदायी पालन सम्भव है, डिम्भक अवधि छोटी है। पालन के लिए अंधेरे वातावरण और गहरे टैंकों की आवश्यकता, बारीक रेत के द्रवीकृत बेड फिल्टर का प्रयोग बेहतर अतिजीवन देता है। कम खाते है।

लाल व्हिप महाचिंगट *प्यूरुलस केरिनेटस* (बोर्राडैल, 1910)

भौगोलिक वितरणः पश्चिमी हिन्द महासागर, ज़ांज़िबार, मोज़ाम्बीक़, नटाल, मडगास्कर, सया दमाथा तट

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः मृदु स्तर (रेतीले मिट्टी या रेत) में 228-450 मी. की गहराई में पाया जाता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरणः यहाँ उप्लब्ध नहीं हैं परंतु ट्रॉल जाल से अंदमान और निकोबार द्वीप के समुद्र में 250-400 मी. की गहराई में से पकडकर इन्हें चेन्नई में उतरण करते हैं।

बंदी पालनः कम बहुप्रज, मृदु-कवच महाचिंगट, संकोची, नाजुक पालन की आवश्यकता है और बंदी पालन मुश्किल; सीपी, मछली मांस और कीडे अच्छी तरह से खाते हैं, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, खुरदरा स्तर और शंक दरारों के होने पर समुदायी पालन सम्भव है, डिम्भक अवधि छोटी है। पालन के लिए अंधेरे वातावरण और गहरे टैंकों की आवश्यकता, बारीक रेत के द्रवीकृत बेड फिल्टर का प्रयोग बहतर अतिजीवन देता है।

अरबी व्हिप महाचिंगट *प्यूरुलस सिवेल्लि* (रमदन, 1938)

भौगोलिक वितरणः पश्चिमी हिंद महासागर, सोमालिआ, अदन की खाड़ी, पाकिस्थान के अपतट, पश्चिमी दक्षिण और दक्षिण भारत, मन्नार की खाड़ी

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः दानेदार रेत, ठोस मिट्टी और शंक के स्तर में 180-1300 मी. की गहराई, सबसे अधिक 180-300 मी. की गहराई में पाया जाता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 250-400 मी. की गहराई तक, कडलूर-पुदुचेरी

बंदी पालनः कम बहुप्रज, मृदु-कवच महाचिंगट, संकोची, नाजुक पालन की आवश्यकता है और बंदी पालन मुश्किल; सीपी, मछली मांस और कीडे अच्छी तरह से खाते हैं, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, खुरदरा स्तर और शंक दरारों के होने पर समुदायी पालन सम्भव है, डिम्भक अवधि छोटी है। पालन के लिए अंधेरे वातावरण और गहरे टैंकों की आवश्यकता, बारीक रेत के द्रवीकृत बेड

फिल्टर का प्रयोग बेहतर अतिजीवन देता है।

सब-ऑर्डर : मेक्रूरा रेपटांशिया
इंफ्रा-ऑर्डर : पेलिन्यूरिडे
अध्यनुपरिवार : पेलिन्यूरोईडिया
परिवार : सिल्लारिडे

रेतीले महाचिंगट *थीनस यूनिमेक्यूलेटस*
(बर्टन और डेवी, 2007)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, दक्षिण अफ्रीका से चीन, दक्षिणी जापान फिलिप्पींस और उष्णकटीबंधीय ऑस्ट्रेलिया।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः 8-70 मी. की गहराई में पाया जाता है, दिन में रेतीले तल में दफा रहता है, सिर्फ आखें और एंटेन्यूल बाहर दिखते हैं, नितलस्थ द्विक्पटी और जठरपाद खातें हैं।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरणः 20-40. की गहराई में, चेन्नई-पुदुचेरी

बंदी पालनः उच्च सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 24 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, अच्छी बढती दर, ख़ास तौर से किशोरावस्था में एकत्रीकरण में, स्वजातिभक्षिक नहीं है, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु और सीपी अच्छी तरह से खाते हैं, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं, ड़िम्भकी पालन, संवर्धन पालन और गहन प्रणालियों में बंदी पालन की तकनीकियाँ विकसित की गई हैं।

क्लेमकिल्लर स्लिप्पर महाचिंगट *सिल्लेरिड़स ट्रैडेक्नोफागा*
(होल्थूइस, 1967)

भौगोलिक वितरणः भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, लाल सागर, दक्षिण अफ्रीका, एड़न की खाड़ी, पाकिस्थान और थाईलैंड के पश्चिमी तट।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः 5-112 मी की गहराई में पाया जाता है,; तलें अज्ञात है, जीवित ट्रैडेकडेक्ना खोलके खाते हैं, अन्य मोलस्क और मरी हुई मछलियों को भी खाते हैं।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरणः कोवलम के तट से 200 फैदम की गह्राई में पाया जाता है।

बंदी पालनः उच्च सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 24 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, धीमी बढती दर, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता। शंबु और सीपी अच्छी तरह से खाते हैं, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं। रात्रिचर, चट्टानों और पाइप पर आश्रयों और छिपने बहिष्कार पसंद करते हैं।

हंचबेक लोकस्ट महाचिंगट *पेट्रार्क्टस रूगोसस*
(हेच. मिल्ने एड्वड्र्स, 1837)

भौगोलिक वितरण: भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, लाल सागर, दक्षिण अफ्रीका, मड़गास्कर से जापान, तैवान, फिलिप्पींस, इंड़ोनेशिया और उत्तरी-पूर्व ऑस्ट्रेलिया

निवास-स्थल और जीव-विज्ञान: 20-60 मी. की गहराई में पाया जाता है, विरले ही 100-200 मी. से, प्रवाल और कवची मलबे सहित रेतीले या कीचड़दार तल पसंद करता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण: 5-20 मी. की गहराई में, चेन्नई-पुदुचेरी

बंदी पालन: उच्च सहन-शीलता और टैंक-पालन के लिए अच्छी प्रतिक्रिया, नम पैकिंग में 24 घण्टों तक ज़िंदा रहता है, अच्छी बढती दर, ख़ास तौर पर किशोरावस्था में एकत्रीकरण में, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति मध्यम सहिष्णुता, बंदी पालन में प्रजनन कर सकते हैं, ड़िम्भकी पालन और संवर्धन पालन की तकनीकियाँ विकसित की गई हैं। अलंकारी प्रजाति है।

सब-ऑर्डर	: मेक्रूरा रेपटांशिया
इंफ्रा-ऑर्डर	: अस्टासिड़े
अध्यनुपरिवार	: नेफ्रोपोईड़िया
परिवार	: नेफ्रोपिड़े

रिड्ज बैक महाचिंगट *नेफ्रोप्सिस कार्पेन्टेरी* (वुड-मेसन, 1885)

भौगोलिक वितरण: भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, जापान।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञान: 200-300 मी. की गहराई में पाया जाता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण: तटीय, 50-100 मी. की गहराई तक, कडलूर-पुदुचेरी अपतट/उत्तरी तमिल नाडू

बंदी पालन: कम बहुप्रज, मृदु-कवच महाचिंगट, संकोची, नाज़ुक पालन की आवश्यकता है और बंदी पालन मुश्किल; सीपी, मछली मांस और कीडे अच्छी तरह से खाते हैं, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, खुरदरा स्तर और शंक दरारों के होने पर समुदायी पालन सम्भव है, डिम्भक अवधि छोटी है।

हिन्द महासागर महाचिंगट *नेफ्रोप्सिस स्ट्युवर्टी* (वुड-मेसन, 1872)

भौगोलिक वितरण: भारतीय और पश्चिम प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, अदन की खाड़ी और पूर्वी अफ्रीका से जापान, तैवान, फिल्लिप्पीन, ईंडोनेशिआ और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया तक

निवास-स्थल और जीव-विज्ञान : गहरी सागर में 170-1060 मी. की गहराई; आमतौर पर 500-750 मी. की गहराई में मुलायम, पंकिल स्तर पर पाया जाता है।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण: तटीय, 50-100 मी. की गहराई तक, कडलूर-पुदुचेरी अपतट/उत्तरी तमिल नाडू

बंदी पालन: कम बहुप्रज, मृदु-कवच महाचिंगट, संकोची, नाज़ुक पालन की आवश्यकता है और बंदी पालन मुश्किल; सीपी, मछली मांस और कीडे अच्छी तरह से खाते हैं, तापमान और लवणता में बदलाव के प्रति सहिष्णुता की संकीर्ण सीमाएं, खुरदरा स्तर और शंक दरारों के होने पर समुदायी पालन सम्भव है, डिम्भक अवधि छोटी है।

अध्यनुपरिवार : गालातियोईड़िया
परिवार : म्यूनिड़ोप्सिड़े

स्क्वाट महाचिंगट *म्यूनिड़ोप्सिस स्कोबीना* आल्कोक, 1894

भौगोलिक वितरणः अंडमान सागर, बंगाल की खाड़ी, दक्षिण अरबिया और इंड़ोनेशिया

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः गहरी सागर में 353-1046 मी. की गहराई में पाया जाता है।

इस महाचिंगट के बारे में ज़्यादा जानाकारी नहीं हैं और इसकी जल कृषि की संभावनाएँ कम है।

सब-ऑर्डर : मेक्रूरा रेपटांशिया
इंफ्रा-ऑर्डर : तल्लासिनिड़े
परिवार : कल्लियानासिड़े

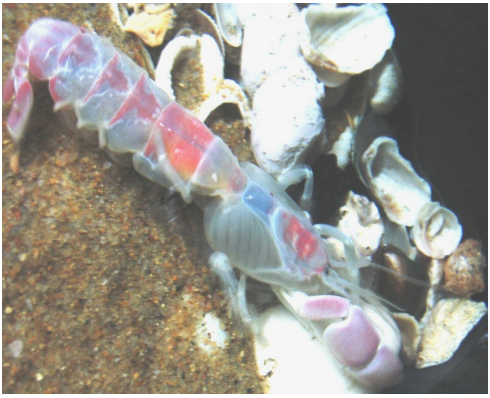

गुलाबी भूत महाचिंगट *कल्लियानासा क्रौसी* (स्टेब्बिंग, 1900)

भौगोलिक वितरण : दक्षिणी अफ्रीका लैम्बर्ट की खाड़ी से ड़ेलागोआ के खाड़ी तक।

निवास-स्थल और जीव-विज्ञानः सुरक्षित खण्ड और ज्वारनदमुख के वेलांचली क्षेत्र में. 0.5 मी. की गहराई में पाया जाता है। रेतीले तल में अपने बिल खोदता है, एसी बिलों में इसकी आबादी आमतौर पर बहुत घने हैं।

उत्तरी तमिलनाडू में वितरण : तटीय, 40 मी. की गहराई तक, कोवलम

बंदी पालनः बहुत मृदुल, टैंक पालन मुशकिल, खुरखुरे मलबे सहित गीले पैकिंग में ही ज़िंदा रहता है, तल से छोटे उप्नितलस्त प्राणी, कार्बनिक सामग्री और कतरे खाता है। बहुत रंगीन है और समुद्री समुद्री जलशाला में आसानी से रहता है। बंदी पालन में प्रजनन कर सकता हैं।